

इंडिया के सेलर्स के लिए

0% रेफरल फ़ीस

अब Amazon पर **1800+** कैटेगरी में
₹1000 से कम कीमत वाले **12.5+** करोड़ प्रोडक्ट पर

अब आप
और भी प्रोडक्ट लिस्ट कर सकते हैं,
बेहतर कीमत रख सकते हैं,
और अपने व्यवसाय को बढ़ाने में ज़्यादा निवेश कर सकते हैं

तो आप खुश,
और आपके कस्टमर्स भी खुश

यह चित्र केवल प्रतिनिधित्व के उद्देश्य से AI द्वारा तैयार किया गया है। इसमें दिखाए गए सभी व्यक्ति और तत्व काल्पनिक हैं, और किसी वास्तविक व्यक्ति, स्थान या घटना से किसी भी प्रकार की समानता मात्र संयोग है।



अधिक जानकारी के लिए
QR कोड स्कैन करें या amazon.in/sell पर जाएं

Amazon अपने विक्रेतानुसार इस संशोधन को बदल या वापस ले सकता है।
Amazon.in पर बिक्री की कोई गारंटी नहीं है और कीमत निर्धारण, प्रोडक्ट लिस्टिंग तथा बचत के उपयोग से जुड़े सभी निर्णय विक्रेता स्वतंत्र रूप से लेते हैं।

amazon.in

नवभारत टाइम्स • विचार

नवभारत टाइम्स | नई दिल्ली/एनटीआर | सोमवार, 16 मार्च 2026

लोकतंत्र केवल शासन की एक पद्धति नहीं है, यह मिल-जुलकर और समानता के साथ रहने की जीवन-पद्धति है।
— डॉ. बी.आर. अंबेडकर

आयोग की चुनौती

चार राज्यों - असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और एक केंद्र शासित प्रदेशों में विधानसभा चुनाव का ऐलान हो चुका है। कानून के लिए ये राज्य के इलेक्शन हैं, लेकिन इनमें ही जितने मतदाता रजिस्टर्ड हैं, उतने पूरे अमेरिका में नहीं। मुख्य चुनाव अधिकृत जेनेस कुमार ने बहुत गर्व के साथ बताया कि कि आस्ट्रेलिया, फ्रांस, अफ्रीका, जर्मनी और कनाडा को मिचिकाकरी 17.4 करोड़ वोटों में है। लेकिन, इस चुनाव में संयुक्त इन्टी बीजुनी नहीं है।

SIR पर विवाद। CEC ने बताया कि आयोग ने सभी चुनावी राज्यों का दौरा कर तैयारी पूरी की है। उन्होंने Special Intensive Revision यानी SIR का जिक्र किया कि कोई भी पास मतदाता रजिस्ट्रार नहीं चाहिए और कोई भी अप्रामाण्य प्रमाण प्रस्तुत नहीं होना चाहिए। हालांकि इन्फॉर्मेशन यानी है कि SIR शुरू होने के बाद से ही विवाद जन्म रहा है। बड़े पैमाने पर नाम कटने को लेकर विवाद के कई आरोप हैं। पश्चिम बंगाल में खासकर आयोग और संसदीय पार्टी TMC के बीच टकराव देखने को मिला है।

संसाधन में टकराव। जब मुख्य चुनाव अधिकृत तैयारियों का जायजा लेने कोलकाता पहुंचे थे, तो उन्हें विरोध-प्रदर्शन का सामना करना पड़ा था। मतदाताओं के नाम कटने का आरोप लगाते हुए पिछले दिनों मुख्यमंत्री ममता बनर्जी धरने पर बैठी थीं। सुप्रीम कोर्ट के अपीलित ट्रिब्यूनल मामले के निर्देश के बाद उन्होंने प्रस्ताव खींचा था। राज्य में SIR से लगभग 63.66 लाख नाम कटे हैं और 60 लाख से ज्यादा विचारधारा है।

CEC के खिलाफ प्रस्ताव। चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर इस समय संशय जन्म रहा है। CEC जेनेस कुमार के खिलाफ अधिभार प्रस्ताव से जाहिर है कि विवाद का प्रभाव पूरी तरह से टूट चुका है। यह प्रस्ताव TMC की तरफ से लड़ा गया था और इस पर 193 खसदों ने हस्ताक्षर किए। इसका मतलब, इस से कम इस मुद्दे पर विवाद एकजुट दिख रहा है। इसमें बिहार SIR का जिक्र है और यह भी आरोप कि CEC एक खास दल के हित में काम करते हैं। अब सरकार यह नहीं है कि प्रस्ताव पास होता है या नहीं, महत्वपूर्ण यह है कि इन चुनावों के दौरान आयोग किस तरह से अपनी निष्पक्षता जाहिर करते हैं।

विवाद हित में नहीं। चुनाव में सभी को बराबर मौके मिलें और किसी के साथ प्रभाव न हो, यह आयोग की जिम्मेदारी है। संवैधानिक संस्था होने के नाते यह जरूरी हो जाता है कि आयोग की पंखा पर सवाल उठाने का किसी को मौका न मिले। कभी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन और कभी SIR जैसे विवाद आयोग के हित में नहीं है।

नशतर

पेड़ सूख रहा है

हवा नहीं चल रही थी। पेड़ फिर भी हिल रहा था। पेड़ पर बैठी बहिन परसरा पाया था। उसने पूछा, 'पेड़ तुम क्यों क्यों हो?' 'ये लोग मुझे काटने वाले हैं', पेड़ ने पचावते हुए कहा। 'इसका कोई गैस नहीं मिल रही। जाना बचाने के लिए उन्हें लकड़ियों की जरूरत है।' बहिन उठी और बाहर आकर बैठी, 'कुछ इंसान आते रहे हैं।' पेड़ को लगा आज उसके जीवन का आखिरी दिन है। उसने मन ही मन अपने देवता को यह किताब देवता ने पेड़ से कहा, 'धन्यवाद नहीं, मनुष्य की मूर्खता पर भरोसा रखो, कुछ नहीं होगा।'

चार-पांच लोग समेत थे निकल गए, तो पेड़ ने राहत की सांस ली। वह अपनी डाल ऊंचे करके देखने लगा कि आखिर ये लोग कर क्या रहे हैं? लोग थोड़ा आगे जाकर रुक गए। उन्होंने पास की नाली में घास डाला और उसे गैस जूके से जोड़कर आग लगा देने लगे। पेड़ और बहिन का एक-दूसरे से देखकर खिलजलने लगे। लोगों ने कुछ देर कोशिश की और चले गए। थोड़ी देर बाद कुत्ता-धन्यवादा फटने से लोग आए और पेड़ के नीचे बैक कर पागे लगे। उनके सामने थे एक बुजुर्ग और बच्चे। उन्होंने ललचाई नजरों से चाय का कप देखा और नेतृत्व व्यक्त से पूछा, 'आपको खसदें गैस मिल गई क्या, जो चाय बनाकर पी रहे हैं?' जवाब मिला, 'चाय बनाने के लिए खसदें गैस की जरूरत नहीं होती। नाले की गैस से चाय बनाई जा सकती है।' दूसरे कुत्ता-धन्यवादा ने पहले को धुंध और बुदबुदाया, 'उस गैस से कुछ तो जल नहीं था।' पहले ने कहा, 'यह हम जानते हैं, इसे क्या पता।' बुजुर्ग ने कहा, 'जले की गैस से चाय बनाने का क्या तरीका है, मुझे भी बम दिखे।' नेतृत्व व्यक्त ने उनका वरुण नजर लिखा और देर सारे मेसरे परवर्द्ध किए। तब से वह बुजुर्ग पेड़ के नीचे बैठे फोन देख रहे हैं। उन्हें गैस, चाय, किसी चीज की जरूरत नहीं। पेड़ और बहिन उन्हें देखकर मुकुरंग रहे।

और नेतृत्व व्यक्त से पूछा, 'आपको खसदें गैस मिल गई क्या, जो चाय बनाकर पी रहे हैं?' जवाब मिला, 'चाय बनाने के लिए खसदें गैस की जरूरत नहीं होती। नाले की गैस से चाय बनाई जा सकती है।' दूसरे कुत्ता-धन्यवादा ने पहले को धुंध और बुदबुदाया, 'उस गैस से कुछ तो जल नहीं था।' पहले ने कहा, 'यह हम जानते हैं, इसे क्या पता।' बुजुर्ग ने कहा, 'जले की गैस से चाय बनाने का क्या तरीका है, मुझे भी बम दिखे।' नेतृत्व व्यक्त ने उनका वरुण नजर लिखा और देर सारे मेसरे परवर्द्ध किए। तब से वह बुजुर्ग पेड़ के नीचे बैठे फोन देख रहे हैं। उन्हें गैस, चाय, किसी चीज की जरूरत नहीं। पेड़ और बहिन उन्हें देखकर मुकुरंग रहे।

एकदा

कविता का सम्मान

गुजराती साहित्य के इतिहास में नानकल दलनसम कवि का नाम बड़े सम्मान से लिखा जाता है। उनका जन्म 16 मार्च 1877 को अहमदाबाद में हुआ था। युवावस्था में ही उनकी प्रीति लिखार आरंभ थी। उनकी प्रसिद्ध कविता 'वसन्तवास' प्रकृति, प्रेम और सौंदर्य की मधुर संयुक्त के लिए जानी जाती है। उन्होंने संस्कृत के महाकाव्य ब्रह्मसंहिता की कृति 'अभिनवशास्त्र' और 'मेघदूत' का गुजराती में अनुवाद किया। सभा की गणराज्य और बड़े उपनिषदों को भी गुजराती पाठकों के लिए सुलभ बनाया। एक बार उन्हें बहीरा स्टेट की गांधीवादा रिक्सा के दरबार में आमंत्रित किया गया। दरबार में उनसे राजा की प्रशंसा में कविता सुनाने को कहा गया। उस समय वह खानवा परंपरा थी। नाचकल ने विनम्रता से उत्तर दिया कि कविता केवल किसी को प्रसन्न करने के लिए नहीं, बल्कि सत्य और सौंदर्य की अभिव्यक्ति के लिए होती है। यदि कवि केवल प्रशंसा के लिए लिखे, तो उसका रचना का मूल्य घट जाता है। दरबार में क्षणिक के लिए सन्तोषा छा गया। वह घटना हमें दिखाती है कि सच्ची प्रीति वही है, जो सत्य और स्वाभिमान के साथ खड़ी रह सके।

संकलन : मुकेश भट्ट

RSP ने चुनावी राजनीति में जैसी परिपक्वता दिखाई, वैसी प्रशासन में भी चाहिए नेपाल को कितना बदल पाएंगे बालेन

नेपाल की संसदीय राजनीति में फलती फलती पार्टी को अकेले दम पर प्रवेश दृष्टान्त प्राप्त हुआ है। इससे कम से कम राजनीतिक अस्थिरता की समस्या तो हल हुई। चैंपलन लहर खड़ी कर के

चंद्रभूषण चौधरी जीने वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (RSP) चार साल पुरानी है। पॉपुलर कल्चर से जुड़े उसके नेता रवि लम्हाने 2022 के संसदीय चुनाव में इतनी सट्टे ला चुके थे कि तब से लेकर इन चुनाव के पहले तक बनी चार में से तीन सरकारों में किसी न किसी रूप में उनकी हिस्सेदारी रही। लेकिन, तब की RSP से अभी की पूर्ण रूप से अलग RSP अपने स्वरूप में बहुत अलग है।

बेदायन। दुनिया भर के लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह विचार ही मौका था, जब हिमालय के एक छोटे प्रादेशिक राज्य ने भारी लेबरिंग कले पुरा आंदोलन का प्रभाव उठाने के लिए खुद को पूरी तरह छोले दिया। और तब और, प्रशासकीय पद के लिए काटकांड के मेयर बल्लेन शाह जैसे व्यक्ति को आगे किया, जिसकी नेपाली राजनीति में अभी तक बेदायन छवि है और किसी स्थिति राजनीतिक दल से जिसका जुड़ाव नहीं मिला जाता। फिर एक ही बात बल्लेन और लम्हाने को सख्त है कि दोनों का जुड़ाव पॉपुलर कल्चर से रहा है और वेन जी उनके स्ट्रेज पारसमेंबन की रील देखाती रही है।

लोकतंत्र बनाम राजशाही। इंटरनेट उपलब्धता को लेकर Gen Z के

नई सरकार की चुनौती

आंदोलन से ठीक पहले तक राजनैतिक समर्थक तब तक सक्रिय थी। तब संदेश हो रहा था कि सत्तावादी पार्टियों से हो रहे मोहलगा का प्रभाव उठाकर कड़ी राजशाही दोबारा कब्जा न जमा ले। लेकिन, नेपाली जनता लोकतंत्र के रास्ते पर आगे बढ़ गई है, राज के लिए करने को वहां कुछ नहीं है।

युद्ध का असर। अस्थिरता का दूसरा मायका जनता के स्तर पर लिए गए कर्तव्य की अस्थिरता का था। नेपाल में व्याप्त दूर भारत से ज्यादा है। कुर्बानी-कत्ती की खुरे लोगों को विचलित करने लगी थी। तबकाल दो बड़े मामले फांदाई और बेरोजगारी के हैं, जिनका संबंध खादों की लड़ाई से है। फलतः की किल्लत नेपाल के लिए बहुत बड़ी विधि है। विदेशी मुद्रा का बड़ा इस्तेमाल खादों में काम करने वाले नेपालियों को कामाई दे रहा है। RSP सरकार को इस मामले से बड़े हलियाव के साथ निपटना होगा। एक आमत परत और चीन के बीच संतुलन बनाने की हमेशा ही रहती है। नतीजतन कि अभी दोनों तबकतर पड़ोशियों के कि अभी दोनों तबकतर पड़ोशियों के

महागाई और बेरोजगारी से परेशान है जनता। ऊंची व्याज दरों की वजह से फैला था असंतोष। भारत और चीन के बीच वैलेस बनाना होगा

आंदोलन से ठीक पहले तक राजनैतिक समर्थक तब तक सक्रिय थी। तब संदेश हो रहा था कि सत्तावादी पार्टियों से हो रहे मोहलगा का प्रभाव उठाकर कड़ी राजशाही दोबारा कब्जा न जमा ले। लेकिन, नेपाली जनता लोकतंत्र के रास्ते पर आगे बढ़ गई है, राज के लिए करने को वहां कुछ नहीं है।

युद्ध का असर। अस्थिरता का दूसरा मायका जनता के स्तर पर लिए गए कर्तव्य की अस्थिरता का था। नेपाल में व्याप्त दूर भारत से ज्यादा है। कुर्बानी-कत्ती की खुरे लोगों को विचलित करने लगी थी। तबकाल दो बड़े मामले फांदाई और बेरोजगारी के हैं, जिनका संबंध खादों की लड़ाई से है। फलतः की किल्लत नेपाल के लिए बहुत बड़ी विधि है। विदेशी मुद्रा का बड़ा इस्तेमाल खादों में काम करने वाले नेपालियों को कामाई दे रहा है। RSP सरकार को इस मामले से बड़े हलियाव के साथ निपटना होगा। एक आमत परत और चीन के बीच संतुलन बनाने की हमेशा ही रहती है। नतीजतन कि अभी दोनों तबकतर पड़ोशियों के कि अभी दोनों तबकतर पड़ोशियों के

जाना रहा है। ये हैं: 1. विदेशी सहायता, जिसमें पश्चिमी NGO, चीन और भारत से मिलने वाली राष्ट्रीय मदद और वर्ल्ड बैंक-IMF जैसे संस्थाओं से लिखा जाने वाला कर्ज शामिल है। 2. बाहर काम करने गए नेपाली कामगारों का भेजा हुआ पैसा। 3. टूरिज्म से होने वाली आयदानी।

इन वित्तीय स्रोतों के साथ एक बड़ी उल्लान यह है कि इनसे संप्रति वेगधार नहीं खा रहा होना। जनता की उम्मीदें। जब तक नेपाल का समाज सुखशांति से कटा हुआ था, प्रकृति से जुड़ने वाली एक आत्मनिर्भर पहाड़ी

आत्मसंतुष्टि उसमें बनी रहती थी। लेकिन, अभी एक नेपाली युवा को वह सब चाहिए, जो दुनिया में कहीं भी उसके जैसे लोगों को मिल रहा है। RSP ने अपने चुनावी घोषणापत्र में 7% सालाना प्रोग्रेट के साथ अपने पांच वर्षों में नेपाल को 100 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बना देने का वादा किया है। इसके आसपास भी जाने के लिए बहुत बड़ी पूंजी की जरूरत पड़ेगी, जो नेपाल की तरफ नहीं आणी, जब उसको यहां अपने लिए प्रोग्रेट की कोई संभावना दिखेगी। बल्कि, उससे पहले युवा जाने का कोई खतरा नहीं नजर आया। आशा है कि जैसी प्रोग्रेड बल्लेन शाह और रवि लम्हाने ने राजनीति में दिखाई है, वैसी ही वे अधिक बुनियादी मामलों में भी दिखाएंगे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)



असफलताओं पर ही सोच अटकी रही, तो आगे कैसे बढ़ेंगे

जिंदगी अपनी ही लय में चलती है, लेकिन बदलती परिस्थितियों को लेकर हम बेचैन हो जाते हैं। खड़ी बेचैनी धीरे-धीरे हमारे मन की ऊंचाई को खा जाती है और सोच को धुंधला कर देती है। और हमारा ध्यान केवल इन चीजों पर टिक जाता है, जो हमारे निष्कर्ष में नहीं। फिर हम वर्तमान से कटने लगते हैं। ऐसे में अध्यात्मिक साधन हमें नई राह दिखाते हैं। जीवन का हर अनुभव, चाहे वह सुख हो या कठिन, एक संकेत लेकर आता है। लेकिन जब हम किसी घटना को देखते, उससे भागने या उसका जेप किसी और पर मढ़ने लगते हैं, तो भीतर अस्थिरता और अस्वस्थता पैदा होती है। मन की हलचल बढ़ती है, निर्णय कमजोर पड़ते हैं और सचवादी को देखने की क्षमता कम हो जाती है। इसके विपरीत, जब हम मानसिक संतुलन से थोड़ा अलग होकर स्थिति को समझने का प्रयास करते हैं, तो मन साफ होने लगता है और अनुभव हमें परिपक्व बनाते हैं।

जीवन की गहराई तब समझ में आती है, जब अपने दावों को पहचान लेते हैं। अस्वस्थ, अस्थिरता का कबिनाई जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है। वे हमें नुस्खान नहीं पहुंचते, लेकिन उन पर लानतार अटक के हवा हमारी सोच को सीमित कर देता है। वास्तविक शक्ति हमारे भीतर के संतुलन और समझ में छिपी है। खड़ी संतुलन मानसिक स्वतंत्रता देता है। चुनौतियां और अस्थिरता जीवन के साथ चलते हैं, पर उनका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि हम उन्हें कैसे देखते हैं। जब हम अपनी भावनाओं को समझने और संतुलन रखते हैं, तो हमारे निर्णय अधिक स्थिर और स्पष्ट हो जाते हैं। तब जीवन की गति भी संतुलित महसूस होने लगती है। यदि हमारी ऊर्जा शिथिल करने और दूसरे पर जेप लगाने में ही खर्च होती रहे, तो मन फिर भी अस्थिर और अशांत हो जाता है। और जीवन नहर सा जलना है। लेकिन जब कभी ऊर्जा हम विचार, आत्मनिरीक्षण और सही दिशा में प्रवास करने में लगाने है, तो समाधान के रास्ते दिखाई देने लगते हैं।

आपको देखते ही चमक उठती है फोटोकॉपी मशीन

छपे हुए को छापना आसान है, पर किसी के लिखे हुए को हवा देना ही है। फोटोकॉपी में दूसरे का पात्र पर उतर देना... केटर बाल्लेन ने जब फोटोकॉपी का अविष्कार किया तो यह किसी चमत्कार से कम नहीं था। जेनेस नाम ने उसे बाद में मिल, जब इसी नाम की एक कंपनी ने इसका कमर्शियल इस्तेमाल शुरू किया। आज बड़े-बड़े नेटवर्क और मोटी कितने-मोडल में सज्ज जा रही है, और जब प्रेस पर आइडिय से भी टेकट निकाल लेने वाले सॉफ्टवेयर इंटरनेट पर भी मिल रहे हैं, तब जेनेस मशीन बहुत पुरानी तकनीक लगती है, लेकिन इसका चमत्कार आज भी वैसा ही है। टेक्नालॉजी के साथ ये मशीनें भी ज्यादा अडवांस हुई हैं, पर पुरानी आदत की तरह कुछ बातें हैं, जो अब भी पहले जैसी हैं। काम मिलते ही

फहले पेशान का प्रिंट एरिय चमकता है, मने आंखों में चमक आ गई हो। फिर आती है एक आवाज, जो कानों में कि मशीन जाग चुकी है। जिस डाइजिटल की फोटोकॉपी करने होती है, उसे प्रिंट एरिय में रखकर कारत करवा पड़ता है। ऐसा लगता है कि जमाना इतना खुलने के बाद भी मशीन ने अपनी परंपराओं को नहीं छोड़ा, उसे आवाज चाहिए कि फोटोकॉपी है उसका जिसे वह किसी को खबर नहीं चाहती। कवर के नीचे फिर एक रोशनी बंदीती है, जो कहती है कि तस्वीरें रजिष्ट्र, काम जारी है। डाइजिटल रजिस्ट्र होने समय की खराबगुद और फिर प्रेस ट्रे से कागज के सलक कर बाहर आने की आवाज... एकदम गरमगरम डिजिटरी मिलती है। स्कुल-कॉलेज से लेकर ऑफिस तक, जहां नेटवर्क है, फहलते हैं, वहां जेनेस मशीनों जरूर होंगी। न जाने इन्होंने कितने घंटे बचाए हैं, जो फिर लिखने में जाते। आपकी बस भी इनकी कोई खबर न हो, खासतौर पर एजमा सौजन में इनकी दुकानों पर लगी कतर की। अगर रजिस्ट्र रखने की आदत होती इन मशीनों को, तो हरेक के पास

कहानियों का मोटा-पेठा पुलिंदा होता। लेकिन, इन्हें दूसरे के राज में झूकने की आदत नहीं। किसी भी गोपनीय फाइल हो और कितना भी जरूरी दस्तावेज, इनका दखल बंध नहीं बदलता। दूसरों से कर्मचारियों की खबरें और बांस लोगों की गुजरवा है जेनेस मशीनें। जिसे बागनों को सस्ते डिवाइज जात है, उन्हें भी बहुत परसे के साथ इन मशीनों को रोजी दिया जात है। इनकी फायदापूर्ण होने के बाद भी उन्हें दिया जाता है कोई अकेल कोना, जहां ये गुप्तसूचक बैठी रहती हैं किसी काम के इंतजार में। इसके बाद भी कोई शिक्का नहीं है इन्हें। हालात से शिथिल करने का फायदा भी कभी। इनका इस इतना चाहिए कि कोई आए और बटन दबाए। आपने आइडिय कि नहीं, इनकी आंखें फिर चमक उठेंगी, नींद टूट जाएगी।

मशीनों जरूर होंगी। न जाने इन्होंने कितने घंटे बचाए हैं, जो फिर लिखने में जाते। आपकी बस भी इनकी कोई खबर न हो, खासतौर पर एजमा सौजन में इनकी दुकानों पर लगी कतर की। अगर रजिस्ट्र रखने की आदत होती इन मशीनों को, तो हरेक के पास कहानियों का मोटा-पेठा पुलिंदा होता। लेकिन, इन्हें दूसरे के राज में झूकने की आदत नहीं। किसी भी गोपनीय फाइल हो और कितना भी जरूरी दस्तावेज, इनका दखल बंध नहीं बदलता। दूसरों से कर्मचारियों की खबरें और बांस लोगों की गुजरवा है जेनेस मशीनें। जिसे बागनों को सस्ते डिवाइज जात है, उन्हें भी बहुत परसे के साथ इन मशीनों को रोजी दिया जात है। इनकी फायदापूर्ण होने के बाद भी उन्हें दिया जाता है कोई अकेल कोना, जहां ये गुप्तसूचक बैठी रहती हैं किसी काम के इंतजार में। इसके बाद भी कोई शिक्का नहीं है इन्हें। हालात से शिथिल करने का फायदा भी कभी। इनका इस इतना चाहिए कि कोई आए और बटन दबाए। आपने आइडिय कि नहीं, इनकी आंखें फिर चमक उठेंगी, नींद टूट जाएगी।

काटे की बात

हमें मध्य पूर्व और पुरी दुनिया में परमाणु खतरों को खत्म करना था। हम अब ऐसे मजबूत स्थिति में हैं, जैसी पहले किसी ने नहीं देखी। उनको गैरी खत्म हो चुकी है, उनको एयर फोर्स खत्म हो चुकी है और उनको ज्यादातर सेना खत्म हो चुकी है।

डॉनलड ट्रंप, अमेरिका के राष्ट्रपति

मेटाबॉलिक बीमारियों का हॉटस्पॉट बन रहा भारत

रखेल वर्डन ऑफ डिजिजी (GBD) की नई स्टडी के मुताबिक, दुनिया में मोटापा तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है। भारत में मोटापा, डाइबिटीज और अन्य मेटाबॉलिक बीमारियों के मामले खतरनाक दर से बढ़ रहे हैं।



जब ईरान को इस्त्राइल ने बेचे हथियार

SAVAK इस क्षेत्र में था रहे संवियत संघ के हथियारों के बारे में आपस में सूचनाएं सझा करती थी। खड़ी नहीं, इस्त्राइल तब ईरान से तेल खरीदता था और उसके बदले उसे हथियार देता था और कृषि क्षेत्र में भी उनकी मदद करती थी। 1973 में जब अरब देशों ने तेल की बिक्री रोक दी, तब इस्त्राइल के लिए ईरान इसका अलम बन गया। ईरान के मुताबिक, दोनों ने इस दौर में प्रसिद्ध फलानर नाम से मिलकर मिसाइल बनाने की योजना भी शुरू की थी। उनका कहना है कि इसकी वजह भी थी। इस्त्राइल अरब देशों के बीच खटियारे में मुल्क होने की वजह से अलग-थलग था, जबकि ईरान ऐसा गैर-अरब मुल्क था जो तबकतरन था।

मगर यह दोनों 1979 में ईरान में इस्लामिक क्रांति के बाद टूट गई। तब शाह को पद छोड़ना पड़ा और अखतलाह खुर्बे ईरान के सुप्रीम लीडर बने। खुर्बे ने इस्त्राइल को 'जोटा जैशन' घोषित किया, जबकि अमेरिका इस्लामिक 'कड़ा शैतान' था। हालांकि, अमेरिकी रणनीतिक बने के बाद भी ईरान और इस्त्राइल के रिश्ते पूरी तरह

पेशकश की थी। उसने परमाणु हथियार बनाने को लेकर पश्चिम और इस्त्राइल की चिंत दूर करने का प्रस्ताव दिया था। लेकिन तब अमेरिका में जॉर्ज शूश को सरकार थी और उसने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। कितना बे चालाक गण है कि कुश सरकार में ईरान विरोधी और इस्त्राइल समर्थकों की मजबूत पकड़ थी। टिया लिखते हैं कि इस्त्राइल की अमेरिका के साथ वॉशिंग की वजह से ईरान को ऐसा खतरा बनता जाने लगा, जिसे खत्म करना जरूरी था। 2002 में युस ने दुष्ट देशों में ईरान का नाम शामिल था। इससे इस्लामिक रणनीतिक की दृष्टि उल्टी बनी। इसके बाद उसने परमाणु हथियार बनाने के बारे में गंभीरता से प्रयास करने शुरू किए, लेकिन जब तक इसमें कामयाब नहीं हो पाया है।

कितना बे चालाक गण है कि शीत युद्ध खत्म होने के बाद ईरान का अस्तित्व और बढ़ा। कुल मिलाकर, इस किस्म में यह स्पष्ट किया गया है कि इस्त्राइल और ईरान के बीच अंततः की वजह पक्ष नहीं है बल्कि दूसरे फोड़े पू-राजनीतिक संघर्ष का कारण है।

रीडर्स मेल

संघर्ष और हिंसा रुके
14 मार्च का संघर्षकाय एक युद्ध का भी पक्ष। जब दुनिया का ध्यान अमेरिका, इस्त्राइल और ईरान के तनाव पर है, उसी समय अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच संघर्ष बढ़ रहा है। पाकिस्तान के हवाई हमलों से अफगान क्षेत्रों में हालात खराब हो रहे हैं। इन टकरावों का सबसे ज्यादा नुकसान वहां के आम लोगों को हो रहा है, खासकर महिला और बच्चों को। गरीबी और बेरोजगारी के कारण इंसानों के अस्तित्व रहने वाले लाचार और मजबूत लोगों की मुश्किलें और भी बढ़ गई हैं। ऐसे में विश्व विवादों को इस तरह ध्यान देना चाहिए कि हिंसा रुके और लोगों की जान बचाई जा सके।
प्रबुद्ध रावत, ईमेल से
nbtedit@timesofindia.com पर अपनी राय नाम-पते के साथ भेजें।

खाड़ी में जंग



वॉर अपडेट

हिजबुल्लाह कमांडर का भाई मारा गया

इराक़ल बल (आईडीएफ) ने दावा किया कि अमेरिका के मिशन में हिजबुल्लाह हमले का आरोपी अमरुन मोहम्मद मालूली, हिजबुल्लाह कमांडर ख़ादिर मालूली का भाई है। आईडीएफ के अनुसार इराक़ल बल युनिट में हिजबुल्लाह संचालन समर्थक थे और पिछले सप्ताह इराक़ल बल के हमले में मारा गया।

दक्षिणी बेरुत में हालात गंभीर

लेबनान में इराक़ली हमलों से मानवीय संकट बढ़ रहा है। दक्षिणी बेरुत में इराक़ली सेना के बाढ़ का भार बढ़ रहा है। दक्षिणी बेरुत में इराक़ली सेना के बाढ़ का भार बढ़ रहा है। दक्षिणी बेरुत में इराक़ली सेना के बाढ़ का भार बढ़ रहा है।

नॉर्वे के प्रधानमंत्री ने जताई चिंता

नॉर्वे के प्रधानमंत्री जेनस स्टार्ते ने कहा, यूएन खास करवा शिमेडोई है। ऐसा लग रहा है कि उन खास करवा शिमेडोई है। ऐसा लग रहा है कि उन खास करवा शिमेडोई है। ऐसा लग रहा है कि उन खास करवा शिमेडोई है।

ईरान से कोई समझौता नहीं होगा: ट्रंप

बातचीत का सवाल ही कहां: अराघची

एपी/एफपी, वाशिंगटन/तेहरान

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ संभावित समझौते को लेकर साफ इनकार कर दिया है। इस बीच, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने स्पष्ट किया कि हमारी ओर से भी बातचीत का कोई सवाल नहीं है।

एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि ईरान बातचीत में दिलचस्पी दिखा रहा है, लेकिन मैं बहुत दूर दूर तक नहीं जाऊंगा। ट्रंप ने कहा कि ईरान की परमाणु क्षमताओं को पूरी तरह खत्म करना सबसे अहम बात होगी। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान को तब तक तेल निर्यात नहीं करेगा जब तक कि ईरान की परमाणु क्षमताओं को पूरी तरह खत्म करना सबसे अहम बात होगी।



तेहरान में रातोंरात को हुए हमलों के बाद सड़क पर एक इमारत से शहर के सलात देखा जा रहा है।

कहां हैं सुप्रीम लीडर ?

ईरान के सुप्रीम लीडर ख़ैरुल्लाह होस्सेनी ख़ामेनी के सर्वप्रथम कार्यालय में नजर नहीं आने से राजनीतिक हलकों में घबराहट हो गई है। ट्रंप ने कहा कि अब तक कोई भी समझौता नहीं हो पाया है। उन्होंने तब तक तेल निर्यात नहीं करेगा जब तक कि ईरान की परमाणु क्षमताओं को पूरी तरह खत्म करना सबसे अहम बात होगी।

ईरान बोला...

समझौते की भीख नहीं मांग रहे हैं: विदेश मंत्री

एफपी, दोहा: ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान किसी भी समझौते की भीख नहीं मांग रहा है। अपने लोगों की रक्षा करने का हमें हक है। बातचीत का सवाल ही कहां उठा रहे हैं। हम अपने लोगों की रक्षा लड़ते रहेंगे। यह हमें हमारी रक्षा करने का हक है। बातचीत का सवाल ही कहां उठा रहे हैं। हम अपने लोगों की रक्षा लड़ते रहेंगे।

ईरान की सेना की धमकी, नेतन्याहू का पीछा कर मारेगे

ईरान की सेना ने इराक़ल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू को पीछा करने की धमकी दी है। ईरान की सेना ने इराक़ल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू को पीछा करने की धमकी दी है। ईरान की सेना ने इराक़ल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू को पीछा करने की धमकी दी है। ईरान की सेना ने इराक़ल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू को पीछा करने की धमकी दी है।

इस्राइल का प्लान पता था: पूर्व CIA चीफ

पूर्व CIA प्रमुख और सेक्रेटरी ऑफ़ डिफेंस मैथ्यू टैपले ने कहा है कि अमेरिका को पहले से ही इस बात की जानकारी थी कि इराक़ल ईरान पर हमला करने की योजना बना रहा है। अमेरिका ने ईरान पर पहले हमला इसलिए किया ताकि उसकी सैन्य क्षमता कमजोर हो जाए और इराक़ल हमले को रोक सके।

इस्राइल ने इस्फ़हान को निशाना बनाया, दावा-यहां बनती थीं मिसाइलें

एपी/एफपी, तेहरान

इराक़ल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बीच राजधानी तेहरान के बाढ़ और औद्योगिक शहर इस्फ़हान में लगातार निशाने पर हैं। रविवार तड़के हुए हमलों के बाद शहर में बाढ़ बढ़ गई है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि हमारे लोगों की रक्षा करने का हमें हक है। बातचीत का सवाल ही कहां उठा रहे हैं। हम अपने लोगों की रक्षा लड़ते रहेंगे।



इराक़ली हमले के बाद रविवार सुबह इस्फ़हान शहर से धुआं उठता दिखा।

सांस्कृतिक रूप से भी बेहद महत्वपूर्ण शहर

इस्फ़हान सांस्कृतिक रूप से भी बेहद महत्वपूर्ण शहर है। 16वीं और 17वीं सदी की सरकारी वस्तुओं का एक संग्रहालय है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि हमारे लोगों की रक्षा करने का हमें हक है। बातचीत का सवाल ही कहां उठा रहे हैं। हम अपने लोगों की रक्षा लड़ते रहेंगे।

खाड़ी देशों पर एक साथ हमला

ईरान ने यूएई को अपने बंदरगाह खाली करने की चेतावनी दी

एपी/एफपी, काहिरा

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच रविवार को खाड़ी देशों ने नए मिशन और युद्ध हथियारों को रोकने की चेतावनी दी। ईरान ने यूएई को अपने बंदरगाह खाली करने की चेतावनी दी। ईरान ने यूएई को अपने बंदरगाह खाली करने की चेतावनी दी। ईरान ने यूएई को अपने बंदरगाह खाली करने की चेतावनी दी।



तेल अरब में रविवार को ईरान की ओर से दाईं बाईं प्रोजेक्टाइल से इमारत तबाह हो गई।

ईरान में अब तक 1300 मौतें

युद्ध के चलते कई देशों में मानवीय संकट बढ़ रहा है। ईरान में अब तक 1300 मौतें हुई हैं। ईरान में अब तक 1300 मौतें हुई हैं। ईरान में अब तक 1300 मौतें हुई हैं। ईरान में अब तक 1300 मौतें हुई हैं।

इस्राइली ठिकाने ध्वस्त

ईरान की सेना ने रविवार को दावा किया कि उसने ईरान में कई ठिकाने ध्वस्त कर दिए हैं। ईरान की सेना ने रविवार को दावा किया कि उसने ईरान में कई ठिकाने ध्वस्त कर दिए हैं। ईरान की सेना ने रविवार को दावा किया कि उसने ईरान में कई ठिकाने ध्वस्त कर दिए हैं।

जाग लाडकी तेल लोड कर रहा था, UAE पोर्ट पर तभी हुआ हमला



■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

सरकार ने रविवार को कहा कि पश्चिम एशिया के समुद्री इलाके में मौजूद भारतीय जहाजों और उन पर सवार लोगों की सुरक्षा पर लगातार नजर रखी जा रही है। सरकार ने कहा कि किसी भी संभावित खतरा को ध्यान में रखते हुए हम तैयार हैं। सरकार ने कहा कि किसी भी संभावित खतरा को ध्यान में रखते हुए हम तैयार हैं। सरकार ने कहा कि किसी भी संभावित खतरा को ध्यान में रखते हुए हम तैयार हैं।

पैनिक बुकिंग घटी, गैस की कमी नहीं है

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: देशभर में LPG सिलिंडरों की भारी किल्लत की खबरों के बीच रविवार को सरकार ने कहा कि गैस की कमी नहीं है। पैनिक बुकिंग घटी है, लेकिन गैस की कमी नहीं है। पैनिक बुकिंग घटी है, लेकिन गैस की कमी नहीं है। पैनिक बुकिंग घटी है, लेकिन गैस की कमी नहीं है।

सालभर बाद भी MSME की योजनाएं लागू नहीं

■ Akhilesh.Singh1 @timesofindia.com: नई दिल्ली: पश्चिम एशिया में युद्ध के चलते निर्यातकों को हो रही किल्लत को देखते हुए सरकार ने पैनिक बुकिंग घटी है, लेकिन गैस की कमी नहीं है। पैनिक बुकिंग घटी है, लेकिन गैस की कमी नहीं है। पैनिक बुकिंग घटी है, लेकिन गैस की कमी नहीं है।

AI के पास पायलटों की हो रही कमी

लंदन, पैरिस और यूरोप जाने वाली उड़ानों पर हो रहा असर

■ Maneesh.Agarwal @timesofindia.com: नई दिल्ली: पहले पायलटों का एयर सेक्टर में होने और फिर इराक़ल-अमेरिका और ईरान युद्ध की वजह से लंदन, पैरिस और यूरोप जाने वाली उड़ानें ठीक ठीक चल रही हैं। एयर इंडिया की कमी होने लगी है। एयर इंडिया की कमी होने लगी है। एयर इंडिया की कमी होने लगी है।

रेकॉर्ड गिरावट के बाद क्या संभलेगा शेयर मार्केट?

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: ईरान पर अमेरिकी और इराक़ली हमलों के बाद देश के बाजार में गिरावट दर्ज की गई है। 5.3% गिरावट दर्ज की गई है। 2022 के बाद सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। 2022 के बाद सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। 2022 के बाद सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई है।



एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 19001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 19001200004 पर कॉल करें

या subscribe.timesofindia.com पर जाएं

www.kiss.ac.in | www.kiit.ac.in | www.achyutasamanta.com | facebook.com/kissfoundation | facebook.com/KIITUniversity | facebook.com/achyutasamanta

येश है

एलआईसी की समूह योजनाएं

नया ग्रुप ग्रैज्युटी कैश ऐक्युमुलेशन प्लान - UIN: 512N281V04

नया ग्रुप लीव एनकैशमेंट प्लान - UIN: 512N282V04

नया ग्रुप सुपर ऐन्ग्रेशन कैश ऐक्युमुलेशन प्लान - UIN: 512N274V03

ग्रुप पोस्ट रिटायरमेंट मेडिकल बेंडिफिट स्कीम - UIN: 512N352V01

ग्रुप बेंडिफिट्स सिक्थोर प्लान
UIN: 512N367V01

मुख्य विशेषताएं:

वैज्ञानिक आधार पर फंडिंग

आकर्षक ब्याज दरें

बीमा सुरक्षा का स्तर

निधमानुसार आयकर संबंधी लाभ

व्यापिकी भुगतान के कई विकल्प

अधिक जानकारी के लिए, पृष्ठ 1011 को <http://www.licindia.com/india/india.html> पर अपने बचिवर्ग, निगम या एजेंटों के पास या अपने बीमा एजेंट से संपर्क करें।

 मूल सेवा प्रति (022) 6827 6827

हमें यहाँ मिलेंगे: **in LIC India Forever** | आईआईसीआई सेविक्स संख्या: 512

बीमेकरी को बीमा बीमा का कुछ/पूर्ण अंशों में बांटकर खरीदें। आईआईसीआई ने अपने बीमेकरी को बीमाकरी से अलग कर दिया है। बीमा बीमेकरी को बीमाकरी से अलग कर दिया है। बीमा बीमेकरी को बीमाकरी से अलग कर दिया है।

 मिलेंगे: www.licindia.in

LIC

भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

हम पर आपके साथ

जालिम® लोशन

दाद, खाज, खुजली एवं एक्जिमा के लिए उपयोगी

For DEALERSHIP at zalmilotion1929@gmail.com

www.zalmilotion.in

AMT P-28

NBT
GOOD न्यूज

विचार

उम्मीद का फैवट

Diana.Sahu
@timesofindia.com

सबसे बड़े सम्पर्क बन गए हैं।

■ नैशनल लेवल की रण्वी खिलाड़ी पार्वती हांसदाह बारीपदा के मयूरभंज लॉ कॉलेज मैदान में खिलाड़ियों को बॉर्म-अप कराते हुए नजर आती है।

■ आज भारत के पास 44 यूनेस्को विश्व धरोहर जगहें हैं।
सोस: इंडिया टूरिज्म और ASI

और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर
महिरा वर चुकी है।
छा नहीं माना जाता
लोग नई वरने लगे।



यह ऐसा लड़का है जहां आज भी कम उम्र में शादी की परंपरा मौजूद है। हमारे लिए असली चुनौती खेल के लिए फिट लड़कियां ढूँढना नहीं था बल्कि उनके माता-पिता को समझाना था। - सुशील हेब्बर, राह-संस्कार, मयूरनगर जिला रम्य फुटबॉल असेसिएशन

Joeanna.fernandes
@timesofindia.com

Ravindra.Uppar
@timesofindia.com

11 साल की लक्ष्मी ने योद्धा की आकृति देख झीझर सम्झा।
श्रीमती स्थापित देख मानकर लगे
सम्झ से कर रहे थे पूजा।

स्वर्ग का दुष्ट बना है। शोधकर्ता बलराम इरप्पा चिन्नागुडी के अनुसार यह तुरंगम खीरगल्लु बानी मोधिशिप्पी की रक्ष में शहीद हुए वीर की याद में बना पत्थर हो सकता है। शैली के आधार पर इसे 12वीं या 13वीं सदी का माना जा रहा है।

AI

गूगल मैप का सबसे बड़ा अपडेट

गूगल ने एक दशक में सबसे बड़ा Google Maps अपडेट जारी किया है, जिसमें Gemini AI जोड़ा गया है। नया Ask Me फीचर गूगल के सज्जल समझदार टिप्पणियाँ सुनता है। इन्टरनेट गैरिगेशन 3D मैप, टैफिक लाइट और सहज विवरण दिखाता है।

Nvidia और Palantir ने AI ऑपरेटिंग सिस्टम बनाने का ऐलान किया है। यह Nvidia के ब्लैकवेल अर्द्धा AI चिप, Palantir के सांकेतिक और जोड़ने AI डेटा सेंटर चलाने में मदद करेगा। इसका मतलब है कि यह सिस्टम पर पूरा नियंत्रण रखने का AI उपयोग करने में है।

Meta ने अपने नए AI मॉडल Avocado को लॉन्चिंग टाल दी है क्योंकि इंटरनेट ट्रेड ने इसका प्रचारिणी गुला, OpenAI और एथिक्स के मॉडल को भी फोटे फाइल। हालांकि यह Meta के पुराने मॉडल और Gemini 2.0 से बेहतर है, लेकिन Gemini 2.0 को पैसे है। अब इसे मॉडल को मॉडल करने

मेट्रो-बस टिकट, बर्थ, इनकम सर्टिफिकेट, एडमिट कार्ड, शिकायत-सुझाव सब कुछ एक टैप पर

कम पढ़े-लिखे लोग भी रथानीनी भ्रमा और मोलकर भी दुल्हे ब्रतोलखल कर सकेंगे। बहुलरूप कर बहुलरी डललनल सेवओओ को केकर भेओ डलडल में डलरुओरल ललनलर भेओललन रललर नलं से डुरलओर डललरी है को कलरीतः

रुलल डलं

रुलल

क्या इससे सरकारी कामकाज में पारदर्शिता बढ़ रही?

बुझ करना, बिजनी-पानी के बिना सारा नैनी सुविधाएँ शामिल है।

Q क्या पहाई से जुड़ी सेवाएँ श्री बदरसेप से मिल रही हैं?

अंध प्रभु में पिछले साल छात्रों को परीक्षा का होल टिकट (एडमिट कार्ड) श्री बदरसेप के जेएनएडिया प्राप्त था। करीब 90 प्रार्थना करने से अन्ना होल टिकट बदरसेप से जलाने की प्रतीक्षा। छात्रों और मूल निवासियों को काफी मुश्किल हुई। अन्ना ट्रेनेर कम है, बड़ा पर हम सुविधा से छात्रों का काफी फायदा हुआ।

Q काशी बदरसेप युनियन ऐसे होने, जो साक्षर नहीं है, उनके लिए क्या विद्या जाल रहा है?

हमने हमें बता कि छात्रों में रजिस्टर करवा दिया गया है। हमने पहले तो छात्रों में रजिस्ट्रेशन शुरू करवा दिया है।

विद्यमान दिग्ग गण है, नैनी तेलुगु, मलयालम, हिंदी अदि इसके अलावा ज्ञान कमाई का पथर भी है। बा-अगर किसी को टाऊन के नैनी अन्ना वा लिखन-पढ़ना नहीं पड़े तो वह होलकर भी सीख ले सकता है। अब AI के जेएनए से सीखे सेकंड अर्थ और अग्रिम बनाया जा चुका है। सकारात्मक योग्य में जलनगरी में भी AI मदद कर रहा है। तेलंगना समेत कुछ जगहों पर हमने सकारा के लिए ले ऐप बनाया, हमने AI के मदद से कई नए प्रोजेक्ट्स शुरू करवा ली है।

Q क्या वह व्यवस्था भीष्टि में पूरे देश में लातू है सकती है?

हम व समस्त यही है। अभी अंध प्रभु, तेलंगना, तमिळुनाडु, ओडिशा नैनी राणी में कई सेवाएँ शुरू हो रही हैं। मसाला में हम एक क्राई सीखीज नए करने के

4. आर्य समाज में अश्विनी के साथ मिलकर हमने जन आर्यधि केन्द्र की जानकारी देने के लिए वट्सएप ग्रुप शुरू करने वाले हैं। भारत में करीब 18 हजार जन आर्यधि केन्द्र हैं। वट्सएप पर मैसेज करके लोग अपने नजदीकी केन्द्र की जानकारी पा सकते हैं और सस्ता दवाओं के बारे में जान सकते हैं। अगर सरकार ने सही ठोस कदम नहीं लिए तो जन आर्यधि के लिए हमें अतिशय दुःख होगा।

Q आने वाले समय में आपका मुख्य फोकस क्या रहेगा?

हमारा फोकस दो चीजों पर है- पहला, जवादा से जवादा सरकारी सौजश्री को वदरसोण पर लावा और दूसरा, AI की मदद से इन सौजश्री को और आसोन बनाना। हमारा लक्ष्य है कि भारत का कोई

नी नज़रों, जहाँ हम हाथ में तो हाथों में, किन्तु बरसों के ज़ख्मों, सकारों, मुठभेड़ों, अस्मिता से पाये गये, हमें सहजिये और चौखटों से भी इन झाल फोड़कर करते रहे। २५वर्षों में हम नेव नवतारा सुधार करते रहे। AI को सुविधा भी हम वसवसे पर लागू करें, जहाँ से पॉलीमर, कार्बनक ऑडि सबकुछ तो सकेगा।

२. ऐसी हीमॉस जिसे काली पसर दिया गया हो।
हमने आसिफा नी चैचैवत बर्बाद करी। डी.नर्स (ASI) के माथे नी चैचैवत बर्बाद करी। डी.नर्स के 170 ASI धोतों जैसी किस्मि सुविधाय, ताममल, लाल किस्मि आ किन्तु बरसों नेकर 942258905 पर बुक कर सकते हैं। इन धोतों नेकर भी हमारी नवतारा भी, कार्बनक ऑडि जिसे सबको है। आने जाले समय में हम इन लिस्ट को और बड़ा कराने जाले हैं। हमने कुछ ज़ख्मों जैसी कि ची शक्ति कराने पर विचार कर रहे हैं।

किए माइक्रोसाफ्ट लाया टूल

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

माइक्रोसॉफ्ट ने Copilot नाम का एक डिजिटल हेल्प लिफ्ट किया है। यह मेल, वॉट्सएप, टिकट, फ़ाइल, हिस्ट्री को समझकर लोगों को सहायता देता है। कंपनियों को मुश्किल, अस्थिर और कठिन को बेहतर तरीके से पारित करने में मदद करता है। यह भी बता सकता है कि कौन से डॉक्टर जैसे विशेषज्ञों को

हेल्थ रिपोर्ट, फिटनेस डेटा पर देना सही है।

मान लीजिए किसी को नींद की
 है, फिटनेस ड्रकर का टेस्ट म
 दिखा रहा है और हाल की रि
 बरलाय हुआ है, तो एक स
 सबसे ज़ेडकर कारना सामं
 कर सकता है। डॉक्टर ने
 पहले पूछे जाने वाले सवाल में
 है। मछलीसोपने के बर
 का टेस्ट एन्रिटेड फॉर्म में ब
 वृत्त करने है किसी भी ब्र
 को हटा सकते हैं। या डिजिटल
 को बंद भी कर सकते हैं।
 ब्र प्लैटफॉर्म 50 से ज
 और हेल्थ डिवाइस जैसे
 Health, Qura और Fitb
 नोट सकता है।

कैसे इस्तेमाल

कर सकते हैं

Copilot Health को बेस्ट यूजर फेडबैक देने का उद्देश्य किया गया है। यूजर Copilot पेथ को बेसलाइन में जाकर Copilot Health सेखाने चाहेंगे। इसी अगले बेसलाइन हेल्थ प्रोफाइल बनाने, जैसे उम्र, लिंग आदि। इससे बाद वे अपने दो अगले हेल्थ रिपोर्ट, लैब टेस्ट, स्मार्ट डेटा व स्पेसटाईल का डेटा कनेक्ट कर सकते हैं। फिर AI इन जानकारीयों का विश्लेषण करके हेल्थ को जुड़े देता, समझाते समझाए और सुझाव के सुझाव दे सकता है।

भारत में कब तक होगा लॉन्ग

माइक्रोसॉफ्ट ने Copilot Health को फिलहाल अमेरिका में लॉन्च किया है और मुंबाईतल में यह फिरक अवेसी भाषा में 10 साल से ज्यादा उमर के लोगों के लिए उपलब्ध होगा। फिलहाल इसके लिए वेबसाइट खोली गई है। यानी क्यूकुक फाला पहले रजिस्टरेशन करेगे और फिर उमर डेरी-डेरी एक्सेस दिया जाएगा। कपनी का कहना है कि बिजनेस में हरी अन्य देसी और भाषाओं में भी लाने की योजना है।

किन्नी जलजारी का समकाल का जलबल पहले है।

सिस्टीमा को पर डेवेल कर। इमारे एक्सेस

अगर आप में AI से जुड़ी किसी जानकारी या सवाल का जवाब चाहते हैं तो हमें nbtreader@timesofindia.com पर ईमेल करें। हमारे एक्सपर्ट

NOTE :-

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS

[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:- https://t.me/Newspaper_pdf_bot

Or type in Search box of Telegram

@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel

BACKUP GROUP LINK

<https://t.me/joinchat/5P9EL1JaQoYzNTI1>

Hindi-English News Paper

Website:- onlineftp.in